

Sri – Om
VEDIC MATHEMATICS AWARENESS YEAR

E-Newsletter Issue no 142 dated 24-03-2015

For previous issues and further more information visit at www.vedicganita.org

		<p>ॐ । गायत्री छन्द । सरसवती मंत्र । महेश्वर सूत्र । गणित सूत्र</p> <p>Om Gyatri Chand, Saraswati Mantra, Maheshwar Sutra, Ganita Sutras</p>
---	---	--

वैदिक गणित (सूर्य रश्मियो का गणित)	Vedic Mathematics (Sunlight format Mathematics)
<p>I. देवनागरी वर्णमाला II. जड़ भरत III. वर्णों की उत्पत्ति IV. पंचीकरण V. ज्योति व्यूह अंक VI. आ ब्रह्म् भुवन लोक</p> <p style="text-align: center;">VII बीज अक्षर</p> <p>‘बीज अक्षर’ के विधि विधान के मूल्यों के आधार पर ही गणित, विज्ञान व तकनीकि के क्षेत्र में प्रवेश किया जाता है। उसके आगे यज्ञ, ज्ञान तथा ज्योति के अतिवाहको पर आरूढ़ होने के तेजक्षेत्र में प्रवेश किया जाता है।</p> <p>इस प्रवेश से ही आत्मज्ञान वा ब्रह्मज्ञान के माध्यम से प्रब्रह्म के दर्शन किये जाते हैं।</p>	<p>I. Devnagri alphabet II. Jad Bharat III. Creation of letters IV. 5 x 5 format V. Transcendental code value VI. Along organization format of elongated first vowel</p> <p style="text-align: center;">VII Seeds syllables</p> <p>On the basis of the format and features values of formulations ‘बीज अक्षर’ / seeds syllables, chase is had of the domain field of Mathematics, Sciences and technologies. Ahead of it, chase leads to the domain field of Yajna, knowledge’ and the process of riding the transcendental carriers of light.</p> <p>With this, ahead chase is had of ‘प्रब्रह्म्’ Par Braham through the phase and stages of ‘आत्मन’ Atman and ‘ब्रह्म’ Braham.</p>

<p>‘बीज अक्षर’ के ज्योतिव्यूह के अंको के मूल्य इस प्रकार है।</p> <p>(ब्र = 7), (ई = 4), (जू = 4) तथा (अ = 1), इस तरह से ‘बीज’ = 16 तथा (अक्षर) = 1 + 1 + 6 + 1 + 3 + 1 = 13 (बीज + अक्षर) = 16 + 13</p> <p>यहा ये ज्ञातव्य हो कि वैदिक गणित के सोलह सूत्र व तेरह उपसूत्र है। यहा ये भी ज्ञातव्य हो कि श्रीमद भागवत गीता के पांचवे अध्याय के २६ श्लोक है तथा श्री मद दुर्गा सप्तसती के तेरहवे अध्याय के २६ श्लोक, अर्धश्लोक वा उवाच है। अतः सामवेद के २६ आर्चिक है। अर्चि का मूल अर्थ सूर्य रश्मि है।</p> <p>इस तरह से बीज अक्षर का सूर्य रश्मियो का आधार है।</p> <p>आगे हम वेद वा देव तथा वेदी वा देवी के क्षेत्र मे प्रवेश करेगे।</p> <p style="text-align: right;">*</p>	<p>Transcendental code values of formulations (बीज) and (अक्षर) are as under:</p> <p>TCV (ब्र) = 7, TCV (ई) = 4, TCV (जू) = 4 तथा TCV (अ) = 1, Like that TCV ‘बीज’ = 16 And TCV (अक्षर) = 1 + 1 + 6 + 1 + 3 + 1 = 13 and (बीज + अक्षर) = 16 + 13.</p> <p>Here it may be taken note that there are sixteen Ganita Sutras and thirteen Ganita upsutras. Here it also would be relevant to note that chapter 5 of Srimad Bhagwad Geeta as 29 shalokas and Chapter 13 of Srimad Durga Saptasati has 29 shalokas, Ardh shalokas and Uvachas. And Archiks of Samved are 29. The prime meaning of ‘अर्चि’ / ‘Archik’ is Sun ray.</p> <p>Like that the base of ‘Beej Akshar’ is of values of ‘Sun rays’.</p> <p>Ahead we shall entering the domain field of ‘वेद वा देव’ / (Veda and deities) and ‘वेदी वा देवी’ / (Sacrifice zone and Goddess)</p> <p style="text-align: right;">*</p>
<p style="text-align: center;">...क्रमश</p> <p>२४-०३-२०१५ डा. सन्त कुमार कपूर</p>	<p style="text-align: center;">...to be continued</p> <p>24-03-2015 Dr. Sant Kumar Kapoor</p>